



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-Section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 297] नई दिल्ली, सोमवार, जून 13, 1994/ज्येष्ठ 23, 1916
No. 297] NEW DELHI, MONDAY, JUNE 13, 1994/JYAISTHA 23, 1916

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 13 जून, 1994

का.आ. 446 (अ).—विकास परिषद (प्रक्रियात्मक) नियमावली, 1952 के नियम 2, 4 और 5 के साथ पठित उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के तारीख 31 दिसम्बर, 1993 के का.आ.सं. 1053(अ) में भारत सरकार के आदेश में निम्नलिखित संशोधन करती है :

क्रम सं. 23 के सामने निम्नलिखित शब्दों
के स्थान पर

“श्री एन.डी. मोहता
वेस्ट कोस्ट पेपर मिल्स”

पढ़ें

“श्री एस.के. बंगर,
प्रध्यक्ष,
वेस्ट कोस्ट पेपर मिल्स लि.,
31 चौरंगी रोड,
कलकत्ता 700016”

और क्रम सं. 25 के सामने निम्नलिखित
शब्दों के स्थान पर

“उप महानिदेशक,
कागज उद्योग/आई.ए. (रसायन)
त. वि., म. नि.”

पढ़ें

“श्री एस.एन. अग्रवाल,
उद्योग सलाहकार
औद्योगिक विकास विभाग”

[फाइल सं. 8(3)/93-चेपर]

एस. बेदुरा, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 13 June, 1994

S.O. 446(E) :—In exercise of the powers conferred by Section 6 of the Industries (Development & Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), read with rules 2, 4 & 5 of the Development Councils (Procedural) Rules, 1952, the Central Government hereby makes the following amendment in the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 1053(E) dated the 31st December, 1993:—

Against S. No. 23,

for the words—

“Shri N.D. Mohta,
West Coast Paper Mills”

Read

“Shri S.K. Bangur,
Chairman
The West Coast Paper Mills Ltd.,
31, Chowringhee Road,
Calcutta—700016”

and, against S. No. 25,
for the words

“Deputy Director General,
in-charge of Paper
Industry/I.A. (Chemicals),
D.G.T.D.”

Read

“Shri S.N. Agarwal,
Industrial Adviser,
Department of Industrial Development.”

[F. No. 8(3)/93—Paper]

S. BEHURA, Jt. Secy.

